1000218 - A1

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

Class - X
कक्षा - X

HINDI
हिन्दी

(Course A)
(पाठ्यक्रम अ)

निर्धारित समय : **3** घंटे] [अधिकतम अंक : **80**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 16 प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। इस अवधि के दौरान छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमानुसार दीजिए।

खंड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा दिए गए प्रश्नों के उत्तरों से सही विकल्प छाँटकर लिखिए - **5**

सिकुड़ते जा रहे वनों के कारण आज पर्यावरण - प्रदूषण इस हद तक बढ़ गया है कि साँस लेने के लिए स्वच्छ वायु दुर्लभ हो गई है । वनों के स्थान पर बड़े - बड़े उद्योग धंधो की चिमनियों से निकलता धुआँ वातावरण को प्रदूषित करता दृष्टिगोचर होता है । बेमौसमी बरसात तथा ओलों की मार से खलिहानों में पड़ी फसलें चौपट होने लगी हैं तथा देश का मरुस्थल धीरे - धीरे बढ़ता जा रहा है । वनों की कटाई के कारण ही पर्वतों से करोडों टन मिट्टी नदियों मे बह - बह कर विनाश का तांडव करने लगी है । आज जब पानी सर तक पहुँच गया है तो सरकार तथा आम आदमी सोच - सोच कर परेशान होता दिखाई दे रहा है । सबसे गंभीर बात तो यह है कि पृथ्वी के सुरक्षा कवच ओजोन में भी प्रदूषण के कारण दरार पड़ने लगी है । यदि वनों की कटाई इसी तरह चलती रही तो वह दिन दूर नहीं जब यह संसार शनैः-शनैः काल के गाल में जाने लगेगा और विनाश का तांडव होगा ।

आज, आवश्यकता इस बात की है कि वनों की अंधाधुंध कटाई पर रोक लगे । संसार के धनी औद्योगिक देशों ने भी इस समस्या को किसी - न - किसी तरह रोका ही है । इसके लिए सर्वाधिक आवश्यकता है - जनसंख्या - नियंत्रण की । जनसंख्या - वृद्धि के कारण ही वनों की कटाई करनी पड़ती है । हर्ष का विषय है कि हमारे यहाँ सरकार ने वृक्षारोपण को बढ़ावा दिया है । जनमानस भी इस ओर जागृत हुआ है । इसके अलावा अनेक समाज-सेवी संस्थाएँ भी वन रक्षण के महत्त्व को जन जन तक पहुँचाने और बताने का कार्य कर रही हैं ।

(1) वनों के सिकुड़ने का कारण है - **1**

(क) वर्षा की कमी होना ।

(ख) वनों का अधिक मात्रा में काटा जाना ।

(ग) वनों का सूख जाना ।

(घ) वनों का ठीक तरह से संरक्षण न होना ।

(2) देश का मरुस्थल धीरे - धीरे बढ़ने का कारण है - **1**

(क) बड़े - बड़े उद्योग-धंधो की चिमनियों से धुआँ निकलना ।

(ख) बेमौसमी बरसात का होना ।

(ग) ओलों की मार ।

(घ) पर्यावरण प्रदूषण ।

(3) प्रदूषण को रोकने के लिए सबसे बड़ी आवश्यकता है - **1**

(क) बड़े - बड़े उद्योग-धंधो पर रोक लगाई जाए ।

(ख) मरुस्थलों को हरा - भरा किया जाए ।

(ग) जनसंख्या पर नियंत्रण लगाया जाए ।

(घ) तीनों ही गलत ।

(4) उक्त गद्यांश का सबसे अधिक उपयुक्त शीर्षक होगा – **1**

(क) सिकुड़ते वन

(ख) वन संरक्षण

(ग) बढ़ती जनसंख्या

(घ) पर्यावरण – प्रदूषण

(5) 'औद्योगिक' विशेषण का संज्ञा रूप होगा – **1**

(क) औद्योग

(ख) उद्योग

(ग) ऊद्योग

(घ) उद्योगी

2. हम सभी जानते हैं कि संघर्ष ही जीवन है । मानव को जीवन में अनेक प्रकार के संघर्ष करने पड़ते हैं । जिसमें उसे अनेक कष्टों को सहन करना पड़ता है । पुरुषार्थी मानव अपने पुरुषार्थ के बल पर सफलता प्राप्त कर लेता है । इस पुरुषार्थ का संबंध भी मानव – मन से है क्योंकि व्यक्ति के सभी प्रकार के कर्म तथा व्यवहारों को नियंत्रण करने वाली यदि कोई शक्ति है, तो वह है उसका 'मन' । निराश मन वाला व्यक्ति अनेक प्रकार के साधनों से सम्पन्न होते हुए भी असफल हो जाता है, जबकि अपेक्षाकृत कम शक्ति सम्पन्न होते हुए भी चित्त की दृढ़ता से युक्त व्यक्ति कभी पराजय का मुहँ नहीं देखता । कौरव सभी प्रकार की शक्तियों से सम्पन्न होते हुए भी पराजित हुए क्योंकि पाण्डवों का मन असीम दृढता एवं अदम्य शक्ति से युक्त था । इसी प्रकार के अनेक उदाहरण दिए जा सकते हैं । महात्मा गांधी के चित्त की दृढता के समक्ष विशाल अंग्रेजी साम्राज्य को घुटने टेकने पर विवश होना पड़ा था । मन की दृढता के बल पर ही प्राचीन काल में अनेक ऋषि – मुनि अनेक प्रकार की सिद्धियाँ प्राप्त कर लिया करते थे । मन की दृढता के कारण ही कालिदास जैसा मूर्ख संस्कृत का सर्वश्रेष्ठ कवि बन पाया । जापानियों के मन की दृढता को देखिए – विश्व युद्ध मे परमाणु बम से होने वाली तबाही के बावजूद वे पुन:उठ खड़े हुए और आज विश्व के शीर्षस्थ राष्ट्रों मे गिने जाते हैं।

व्यक्ति का कर्तव्य है कि वह अपने मन को दुर्बल न होने दे । जिसने अपने मन को जीत लिया, उसने मानो सारे संसार पर विजय प्राप्त कर ली । मन को अपने वश में कर लेने वाले व्यक्ति ही स्वावलम्बी या पुरुषार्थी कहलाते हैं । व्यक्ति को यह कभी नही भूलना चाहिए कि हानि – लाभ, जीवन – मरण, यश – अपयश सब उसी तरह आते जाते रहते है जैसे सूर्यास्त के बाद सूर्योदय । इसलिए पराजय के क्षणों मे धैर्य बनाए रखना चाहिए और अपने मन में दुर्बलता को कभी नहीं आने देना चाहिए ।

उपर्युक्त गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा दिए गए प्रश्नों के उत्तरों से सही विकल्प छाँटकर लिखिए –

(1) पुरुषार्थी व्यक्ति को सफलता कैसे प्राप्त होती है? **1**

(क) संघर्ष करने से

(ख) परिश्रम न करने से

(ग) पुरुषार्थ करने से

(घ) धन खर्च करने से

(2) किस तरह का व्यक्ति सफलता प्राप्त नहीं कर पाता ? **1**

(क) निराश मन का व्यक्ति साधन संपन्न होते हुए भी

(ख) आशावादी व्यक्ति साधनों के अभाव में

(ग) दृढ चित्त वाला व्यक्ति साधन न मिलने के कारण

(घ) तीनों ही उत्तर गलत

(3) निम्नलिखित में से किसका संबंध चित्त की दृढता से नहीं है – **1**

(क) सब प्रकार की शक्तियों से संपन्न होते हुए भी कौरवों की पराजय

(ख) शक्तिशाली ब्रिटिश साम्राज्य का गांधीजी के आगे घुटने टेकना

(ग) कालिदास का संस्कृत का सर्वश्रेष्ठ कवि बनना

(घ) नकल मारकर परीक्षा पास कर लेना

(4) पुरुषार्थी व्यक्ति कौन कहलाता है ? **1**

(क) जो पुरुष दूसरों की अरथी निकाल देता है ।

(ख) जो पुरुष दूसरों के हित के लिए काम करता है ।

(ग) जो व्यक्ति अपने मन को वश में कर लेता है ।

(घ) जो व्यक्ति केवल अर्थ (धन) के लिए जीता है ।

(5) पराजय के क्षणों में मनुष्य को निम्नलिखित में से क्या नहीं करना चाहिए – **1**

(क) धैर्य बनाए रखना

(ख) मन में दुर्बलता न आने देना

(ग) अपने चित्त को दृढ़ बनाना

(घ) विजय की आशा छोड़ देना

3. इतने ऊँचे उठो कि जितना उठा गगन है।
देखो इस सारी दुनिया को एक दृष्टि से
सिंचित करो धरा, समता की भाव वृष्टि से
जाति भेद की, धर्म – वेश की

काले गोरे रंग – द्वेष की
ज्वालाओं से जलते जग में
इतने शीतल बहो कि जितना मलय पवन है।।

नये हाथ से, वर्तमान का रूप सँवारो
नयी तूलिका से चित्रों के रंग उभारो
नये राग को नूतन स्वर दो
भाषा को नूतन अक्षर दो
युग की नयी मूर्ति – रचना में
इतने मौलिक बनो कि जितना स्वयं सृजन है ।।

चाह रहे हम इस धरती को स्वर्ग बनाना
अगर कही हो स्वर्ग, उसे धरती पर लाना
सूरज, चाँद, चाँदनी, तारे
सब है प्रतिपल साथ हमारे
दो कुरूप को रूप सलोना
इतने सुन्दर बनो कि जितना आकर्षण है ।।

उपर्युक्त काव्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा दिए गए प्रश्नों के उत्तरों से सही विकल्प छाँटकर लिखिए –

(1) 'इतने ऊँचे उठो कि जितना उठा गगन है' पंक्ति का आशय है – **1**

(क) मनुष्य को बहुत ऊँचाई तक यात्रा करनी चाहिए ।

(ख) आकाश में सैर करनी चाहिए ।

(ग) अपने व्यक्तित्व को उच्चतम बनाना चाहिए ।

(घ) हमेशा ऊपर की ओर देखना चाहिए, नीचे की ओर नही ।

(2) सारी दुनिया को एक दृष्टि से देखने का संबंध निम्नलिखित में से किससे नहीं है – **1**

(क) सब को समान भाव से देखना ।

(ख) जाति – पाँति का भेद – भाव न करना ।

(ग) एक आँख बंद करके सिर्फ दूसरी आँख से देखना ।

(घ) रंग के आधार पर लोगों में भेद – भाव करना ।

(3) 'नए हाथ से वर्तमान का रूप सँवारो' पंक्ति में 'नए हाथ' से तात्पर्य है – **1**

(क) बच्चों के हाथ

(ख) युवाओं के हाथ

(ग) नई पीढ़ी के हाथ

(घ) तीनों उत्तर ही सही

(4) निम्नलिखित में से किस बात का संबंध इस कविता से नहीं है ? **1**

(क) समस्त सृष्टि से समता स्थापित करना

(ख) भाषा को नए अक्षर देना

(ग) इस धरती को स्वर्ग बनाना

(घ) इस धरती को स्वर्ग के पास ले जाना

(5) 'सिंचित' शब्द में प्रत्यय है – **1**

(क) चित

(ख) इत

(ग) त

(घ) ईत

4. यह समाधि, यह लघु समाधि, है झाँसी की रानी की ।
अन्तिम लीलास्थली यही है लक्ष्मी मर्दानी की ।।
यहीं कहीं पर बिखर गयी वह भग्न विजय – माला – सी ।
उसके फूल यहाँ संचित हैं है यह स्मृति – शाला – सी ।।
सहे वार पर वार अन्त तक लड़ी वीर बाला – सी ।
आहुति – सी गिर चढ़ी चिता पर चमक उठी ज्वाला – सी ।।
बढ़ जाता है मान वीर का रण में बलि होने से ।
मूल्यवती होती सोने की भस्म यथा सोने से ।।
रानी से भी अधिक हमें अब यह समाधि है प्यारी ।
यहाँ निहित है स्वतन्त्रता की आशा की चिनगारी ।।
इससे भी सुन्दर समाधियाँ हम जग में है पाते ।
उनकी गाथा पर निशीथ में क्षुद्र जन्तु ही गाते ।।
पर कवियों की अमर गिरा में इसकी अमिट कहानी ।
स्नेह और श्रद्धा से गाती है वीरों की बानी ।।

उपर्युक्त पद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा दिए गए प्रश्नों के उत्तरों से सही विकल्प छाँटकर लिखिए –

(1) कवयित्री ने झाँसी की रानी को 'मर्दानी' क्यों कहा है ? **1**

(क) वह मर्दों की ही भाँति राज सिंहासन पर बैठी

(ख) वह अपनी सेना में मरदों को ही शामिल करती थी

(ग) उसमें वीरता, शक्ति, दृढता आदि मरदों वाले गुण थे

(घ) तीनों ही उत्तर गलत

(2) रानी लक्ष्मीबाई का मान उनकी मृत्यु के बाद क्यों बढ़ गया ? कविता के आधार पर उत्तर दीजिए - **1**

(क) स्वतंत्रता संग्राम में वीर गति प्राप्त करने से

(ख) लोकप्रिय रानी होने के कारण

(ग) स्वतंत्रता - संग्राम में कीर्ति प्राप्त करने के कारण

(घ) स्त्री होने के कारण

(3) कवयित्री ने ऐसा क्यों कहा है कि रानी से भी अधिक उनकी समाधि प्यारी है ? **1**

(क) लोगों की सबसे प्रिय रानी की समाधि है ।

(ख) अँग्रेजों के छक्के छुड़ानेवाली रानी की समाधि है ।

(ग) यह समाधि स्वतंत्रता की चिनगारी की प्रतीक है ।

(घ) यह समाधि देश के गौरव की प्रतीक है ।

(4) प्रस्तुत कविता का उपयुक्त शीर्षक होगा - **1**

(क) समाधि

(ख) रानी झाँसी की समाधि

(ग) वीरता की प्रतीक समाधि

(घ) स्वतंत्रता आंदोलन की प्रतीक - समाधि

(5) निम्नलिखित में कौन-सा रेखांकित पद विशेषण नहीं है - **1**

(क) <u>अंतिम</u> लीलास्थली

(ख) <u>वीर</u> बाला

(ग) <u>मान</u> वीर का

(घ) <u>अमर</u> गिरा

खंड 'ख'

5. (क) सकर्मक क्रिया कौनसी क्रिया होती है, सही विकल्प का चयन करें - 1

(i) वाक्य में जिसके साथ कर्म अनिवार्यत: आता है ।

(ii) वाक्य में जो कर्म की अपेक्षा करती है ।

(iii) वाक्य में जो कोई कर्म करती है ।

(iv) वाक्य में जो किसी के साथ मिलकर कर्म करती है ।

(ख) किस वाक्य में सकर्मक क्रिया का प्रयोग हुआ है - 1

(i) बच्चा घर गया ।

(ii) वह साबुन से नहाता है ।

(iii) मशीन चल रही है ।

(iv) पिताजी कुछ लिख रहे हैं ।

(ग) 'वह जोर से हँसी' वाक्य में रेखांकित क्रिया का भेद है - 1

(i) अकर्मक

(ii) सकर्मक

(iii) एक कर्मक

(iv) द्विकर्मक

(घ) 'मैं शाम को फिल्म देखने चला जाता हूँ' वाक्य में मुख्य क्रिया है - 1

(i) चला

(ii) चला जा

(iii) चला जाता

(iv) तीनों ही गलत हैं

6. (क) किस वाक्य में अकर्मक क्रिया का प्रयोग हुआ है ? 1

(i) पिताजी अखबार पढ़ रहे हैं ।

(ii) हम लोगों ने कल फिल्म देखी ।

(iii) रोज सुबह जूस पीना चाहिए ।

(iv) मैं डी. पी. एस. फरीदाबाद में पढ़ता हूँ ।

(ख) 'माताजी ने बच्चों को मिठाई खिलाई' वाक्य में रेखांकित क्रिया पद का भेद है - 1

(i) अकर्मक

(ii) द्विकर्मक

(iii) संयुक्त

(iv) एक कर्मक

(ग) 'वह अँग्रेजी बोल सकती है' वाक्य में प्रयुक्त क्रिया पदबंध में सहायक क्रिया का अंश है – 1

(i) है

(ii) सकती है

(iii) बोल

(iv) सकती

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में एक कर्मक क्रिया कौन से वाक्य में है ? 1

(i) बच्चे अपने अपने घर गए ।

(ii) वे लोग सामनेवाले मकान में रहते हैं ।

(iii) पिताजी ने अपने मित्र को बुलाया

(iv) माताजी ने आज मिठाई बनाई ।

7. (क) किस वाक्य में संयुक्त क्रिया नहीं है – 1

(i) उसने सामान वापस भेज दिया ।

(ii) घर पर कल अचानक मेहमान आ टपके ।

(iii) उन लोगों ने काम पूरा कर लिया ।

(iv) वह हिंदी नहीं बोलती ।

(ख) 'उसने सभी पुस्तकें लौटा दीं' वाक्य में रेखांकित क्रिया का भेद है – 1

(i) अकर्मक

(ii) द्विकर्मक

(iii) संयुक्त

(iv) तीनों में से कोई नहीं

(ग) 'मेरी बहन खाना नहीं बना सकती' वाक्य में क्रिया का भेद है – 1

(i) अकर्मक

(ii) सकर्मक

(iii) सहायक

(iv) संयुक्त

(घ) संयुक्त क्रिया का निर्माण करनेवाली क्रियाओं में एक क्रिया मुख्य क्रिया होती है और दूसरी 1

(i) सहायक क्रिया

(ii) अपूर्ण क्रिया

(iii) सकर्मक क्रिया

(iv) तीनों ही गलत

8. (क) किस वाक्य में रेखांकित पद विशेषण नहीं है – 1

(i) कुछ लोग मेरे घर आए ।

(ii) वह लड़की किधर गई ?

(iii) उसका कोट फट चुका है ।

(iv) वहाँ कौन बैठा है ?

(ख) रेखांकित विशेषण का भेद है – उसने अपनी किताबें बेच दीं। 1

(i) संख्यावाचक

(ii) गुणवाचक

(iii) सार्वनामिक

(iv) तीनों ही गलत

(ग) अनिश्चित परिमाण वाचक विशेषण किस वाक्य में है? 1

(i) उसने तीन मीटर कपड़ा खरीदा ।

(ii) कुछ लोग आनेवाले हैं ।

(iii) इतना काम क्यों करते हों ?

(iv) बाजार में बहुत लोग थे ।

(घ) किस वाक्य में रेखांकित विशेषण संख्यावाचक है? 1

(i) वह दसवीं कक्षा का विद्यार्थी है ।

(ii) माताजी ने पाँच किलो दूध खरीदा ।

(iii) चाय में थोड़ी चीनी और डालो ।

(iv) उनकी साड़ी बहुत सुंदर है ।

9. (क) किस वाक्य में रेखांकित पद क्रिया विशेषण नहीं है – 1

(i) गाड़ी प्लेट फॉर्म पर कुछ देर रुकी ।

(ii) वह बहुत दूर रहती है ।

(iii) आपके यहाँ मुझे बहुत अच्छा लगा ।

(iv) मोहन एक अच्छा लड़का है ।

(ख) 'मेरी माताजी आजकल बीमार चल रही है' वाक्य में रेखांकित पद कौन सा क्रियाविशेषण है ? 1

(i) रीतिवाची

(ii) कालवाची

(iii) स्थानवाची

(iv) कारणवाची

(ग) किस वाक्य में क्रिया विशेषण का प्रयोग हुआ है – **1**

(i) मोहन ने बहुत कम खाना खाया ।

(ii) मोहन ने बहुत खाना खाया ।

(iii) मोहन ने बहुत खाया ।

(iv) मोहन ने बहुत सारा खाना खाया ।

(घ) 'वह _____ घर पहुँचा' वाक्य के रिक्त स्थान में कालवाची क्रिया विशेषण छाँटकर भरो। **1**

(i) जल्दी – जल्दी

(ii) कार से

(iii) किताब लेने के लिए

(iv) शाम को

खंड 'ग'

10. बालगोबिन भगत मँझोले कद के गोरे – चिट्टे आदमी थे । साठ के ऊपर के ही होंगे । बाल पक गए थे । लंबी दाढ़ी का जटाजूट तो नहीं रखते थे, किंतु हमेशा उनका चेहरा सफेद बालों से ही जगमग किए रहता । कपड़े बिलकुल कम पहनते । कमर में एक लंगोटी – मात्र और सिर में कबीरपंथियों की – सी कनफटी टोपी । जब जाड़ा आता, एक काली कमली ऊपर से ओढे रहते । मस्तक पर हमेशा चमकता हुआ रामानंदी चंदन, जो नाक के एक छोर से ही, औरतों के टीके की तरह, शुरु होता । गले में तुलसी की जड़ों की एक बेड़ौल माला बाँधे रहते ।

ऊपर की तसवीर से यह नहीं माना जाए कि बालगोबिन भगत साधु थे । नहीं, बिलकुल गृहस्थ! उनकी गृहिणी की तो मुझे याद नहीं, उनके बेटे और पतोहू को तो मैंने देखा था । थोडी खंतीबारी भी थी, एक अच्छा साफ – सुथरा मकान भी था ।

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर सही विकल्पों का चयन कीजिए –

(1) 'बाल पकने' का अर्थ है – **1**

(क) बाल मजबूत होना ।

(ख) सफेद बाल काले होना ।

(ग) काले बाल सफेद होना ।

(घ) बाल गिरने लगना ।

(2) 'कनफटी टोपी' किस प्रकार की टोपी होती है ? **1**

(क) ऐसी टोपी जिसे फटे कानवाले लोग पहनते हों ।

(ख) ऐसी टोपी जो ऊपर से सिर को ढ़के तथा कानों के पास खुली हों ।

(ग) ऐसी टोपी जिसे पहनने से कान फट जाते है ।

(घ) तीनों ही उत्तर गलत है ।

(3) निम्नलिखित में से किस वस्त्र का संबंध बालगोबिन भगत से नहीं है – **1**

(क) कमर में लँगोटी

(ख) कबीर पंथी टोपी

(ग) मस्तक पर रामानंदी चंदन

(घ) गले में सुंदर टाई

(4) 'रामानंदी–चंदन' किस प्रकार का चंदन है ? **1**

(क) जिसे आचार्य रामानंद लगाते थे ।

(ख) रामानंद–संप्रदाय के लोग लगाते थे ।

(ग) भगवान राम लगाते थे ।

(घ) जिस चंदन को लगाकर लोग रामानंद की पूजा करते थे ।

(5) 'कबीर पंथियो की – सी कनफटी टोपी' पंक्ति मे अलंकार है – **1**

(क) रूपक

(ख) यमक

(ग) उपमा

(घ) उत्प्रेक्षा

अथवा

मुफस्सिल की पैसेंजर ट्रेन चल पड़ने की उतावली में फूँकार रही थी । आराम से सेकंड क्लास में जाने के लिए दाम अधिक लगते हैं । दूर तो जाना नहीं था । भीड़ से बचकर, एकांत में नयी कहानी के संबंध में सोच सकने और खिड़की से प्राकृतिक दृश्य देख सकने के लिए टिकट सेकंड क्लास का ही ले लिया ।

गाड़ी छूट रही थी । सेकंड क्लास के एक छोटे डिब्बे को खाली समझकर, जरा दौड़कर उसमें चढ़ गए । अनुमान के प्रतिकूल डिब्बा निर्जन नहीं था । एक बर्थ पर लखनऊ की नवाबी नस्ल के एक सफेदपोश सज्जन बहुत सुविधा से पालथी मारे बैठे थे । सामने दो ताजे – चिकने खीरे तौलिए पर रखे थे । डिब्बे में हमारे सहसा कूद जाने से सज्जन की आँखों में एकांत चिंतन में विघ्न का असंतोष दिखाई दिया । सोचा, हो सकता है, यह भी कहानी के लिए सूझ की चिंता में हों या खीरे – जैसी अपदार्थ वस्तु का शौक करते देखे जाने के संकोच में हों ।

नवाब साहब ने संगति के लिए उत्साह नहीं दिखाया । हमने भी उनके सामने की बर्थ पर बैठकर आत्मसम्मान में आँखे चुरा लीं ।

उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर सही विकल्पों का चयन कीजिए –

(1) लेखक द्वारा सेकेण्ड क्लास का टिकिट लेने का इनमें से कौनसा कारण नहीं है – **1**

(क) भीड़ से बचना

(ख) एकांत में नई कहानी के बारे में सोचना

(ग) खिड़की से प्राकृतिक दृश्य देखना

(घ) अपनी शान दिखाना

(2) लेखक ने डिब्बे के बारे में क्या अनुमान नहीं किया था? 1

(क) डिब्बा खाली मिलेगा

(ख) वहाँ किसी नवाब से मुलाकात होगी

(ग) उसमें सोने की जगह मिलेगी

(घ) तीनों ही उत्तर गलत

(3) नवाब साहब के चिंतन में विघ्न क्यों पड़ गया? 1

(क) नवाब साहेब के पास टिकिट नही थी ।

(ख) अचानक डिब्बे में लेखक के आ जाने से ।

(ग) लेखक को खीरा खिलाना पड़ेगा, यह सोच कर ।

(घ) उनका सामान लेकर लेखक गायब न हो जाए ।

(4) लेखक ने नवाब साहब से आँखे क्यों चुराली? 1

(क) नवाब साहेब ने लेखक के प्रति कोई उत्सुकता नहीं दिखाई ।

(ख) लेखक नवाब साहब के परिचित न था ।

(ग) लेखक नवाब साहब के चिंतन में विघ्न नहीं डालना चाहता था ।

(घ) लेखक को वहाँ बैठकर संकोच हो रहा था ।

(5) निम्नलिखित में से 'प्रतिकूल' शब्द का विलोम है – 1

(क) कूल

(ख) अनुकूल

(ग) सुकूल

(घ) अप्रतिकूल

11. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए – 2x5=10

(क) नेताजी की मूर्ति पर किस प्रकार का चश्मा था ?

(ख) नेताजी की मूर्ति किस प्रकार की थी ?

(ग) लेखक ने डिब्बे में चढ़ कर क्या देखा ? 'लखनवी अंदाज' कहानी के आधार पर उत्तर दीजिए ।

(घ) नवाब साहब के किन हाव – भावों से लेखक को ऐसा लगा कि वे उससे बात – चीत करने के लिए इच्छुक नहीं है ।

(ङ) गृहस्थ होते हुए भी बालगोबिन किन गुणों के कारण साधु कहलाते थे ?

12. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए एवं उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

ऊधौ, तुम हौ अति बड़भागी ।
अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी ।
पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी ।
ज्यौं जल माहँ तेल की गागरि, बूँद न ताकौं लागी ।
प्रीति – नदी मैं पाउँ न बोऱ्यौ, दृष्टि न रुप परागी ।
'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यौं पागी ।।

(i) गोपियों ने उद्धव को 'बड़भागी' को कहा है ? **1**

(ii) किन – किन उदाहरणों के द्वारा गोपियों ने उद्धवपर व्यंग्य किया है ? **2**

(iii) 'प्रीति नदी में पाउँ न बोऱ्यौ' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए ? **1**

(iv) गोपियों ने अपनी तुलना किससे की है तथा क्यों ? **1**

अथवा

मधुप गुन – गुना कर कह जाता कौन कहानी यह अपनी,
मुरझाकर गिर रहीं पत्तियाँ देखो कितनी आज घनी ।
इस गंभीर अनंत – नीलिमा में असंख्य जीवन – इतिहास
यह लो, करते ही रहते हैं अपना व्यंग्य – मलिन उपहास
तब भी कहते हो – कह डालूँ दुर्बलता अपनी बीती ।
तुम सुनकर सुख पाओगे, देखोगे – यह गागर रीती ।
किंतु कहीं ऐसा न हो कि तुम ही खाली करने वाले –
अपने को समझो, मेरा रस ले अपनी भरने वाले ।

(i) प्रस्तुत कविता का नाम तथा उसके कवि का नाम लिखिए । **1**

(ii) प्रस्तुत कविता से कवि की किस मानसिकता का पता चल रहा है ? **2**

(iii) लेखक आपबीती दुर्बलताओं को क्यो नही लिखना चाहता ? **1**

(iv) 'गागर – रीती' से कवि का क्या तात्पर्य है ? **1**

13. निम्नप्रश्नों के उत्तर दीजिए –

(i) सूरदास के पदों के आधार पर स्पष्ट कीजिए की – गोपियों का योग – साधना के प्रति क्या दृष्टिकोन है ? **2**

(ii) देव के 'कवित्त' के आधार पर बताइए कि कवि ने चाँदनी रात की सुंदरता को किन – किन रूपों में व्यक्त किया है ? **2**

(iii) 'उत्साह' कविता के आधार पर निराला की कविता की दो प्रमुख विशेषताएँ बताइए । **1**

14. पिता के साथ अधिक जुड़ाव होते हुए भी विपदा पड़ने पर प्राय: बच्चे माँ का आँचल क्यो पकड़ते है ? 'माँ का आँचल' कहानी से उदाहरण देते हुए उत्तर दीजिए । **5**

अथवा

'जॉर्ज पंचम की नाक' पाठ के माध्यम से लेखक ने समाज पर किस प्रकार का व्यंग्य किया है ?

खंड 'घ'

पत्रलेखन

15. आपके क्षेत्र में पेड़ – पौधों को काट–काट कर लोग ले जाते है । इस अनियंत्रित कटाव को रोकने के लिए अपने यहाँ के जिलाधिकारी को एक पत्र लिखिए । **5**

अथवा

आपने हाल ही में कोई फिल्म देखी है जो आपको बहुत पसंद आई है । अपने दोस्त को इस फिल्म के बारे में बताते हुए एक पत्र लिखिए ।

16. दिए गए संकेत – बिंदुओं के आधार पर पत्र लिखिए – **5**

विषय : **आलस्य – सबसे बड़ा शत्रु**

आलस्य का अर्थ – बाधाओं के डर से किसी कार्य को प्रारंभ न करना, अपनी सफलता के प्रति आशंकित रहना, प्रयत्न तथा उत्साह से जी चुराना, आलस्य – व्यक्ति का सबसे बड़ा शत्रु जो व्यक्ति को दुर्बल, कामचोर, भीरु कायर, अकर्मण्य बना देता है, मानव के पतन का सबसे बड़ा कारण, आलसी व्यक्ति भाग्यवादी, अपनी असफलताओं के लिए भाग्य को दोषी बताना, विद्यार्थियों के लिए आलस्य का त्याग संसार के कुछ कर्मठ महापुरुषों के उदाहरण.

अथवा

विषय : **चरित्र – बल**

चरित्र का अर्थ – चरित्र श्रेष्ठ एवं शुभ आचरण का पर्याय – मानवजीवन की श्रेष्ठता की कसौटी, व्यक्ति के विकास, उन्नति तथा उत्थान में सहायक, चरित्रवान व्यक्ति समाज का आदर्श, चरित्रवान व्यक्तियों के उदाहरण, चरित्र निर्माण के साधन, सत्संगति, शिक्षा, दृढ संकल्प, सत्यनिष्ठा एवं सत्कर्म। सच्चरित्रता के अभाव में मानव किसी भी योग्य नहीं ।

- o O o -